|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **KARTA OCENY GOŁĘBIA** | | | | | **Nr klatki:** | |  | | | **Kategoria:** | **OLIMPIJSKA Sport A** | | | | | **Wystawca:** | **Jankowiak Mariusz** | | | | **Ocena sędziego** | | | | | **Okręg:** | Poznań | | | | **Przedmiot oceny** | | **Skala punktowa** | **Uzyskana punktacja** | | **Oddział:** | 0285 POZNAŃ | | | | 1. | Ogólne wrażenie głowa, oko, kondycja | 8,00 - 9,00 |  | | **Nr obr. rodowej:** | **PL-0285-18-12345** | | **Płeć:** | **1** | 2. | Budowa kości mostek, miednica | 8,00 - 9,00 |  | | **Barwa:** | NIEBIESKA-NAKRAPIANA | | | | 3. | Forma i wytrzymałość pleców i kupra | 17,00 - 19,00 |  | | **Rodzaj wystawy:** | OKRĘGOWA | | | | 4. | Równowaga harmonia ciała, umięśnienie | 27,00 - 29,00 |  | | **Nagrody** | **standard:** |  | | | 5. | Skrzydło i ogon. Jakość upierzenia | 27,00 - 29.00 |  | | **sport:** |  | | | **Razem punktów:** | | 87,00 - 95,00 |  | |  | | |  |  | |  |  | | | Komitet Wystawowy | | |  | Data i pieczęć | |  | Podpis | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | **Lp.** | **Data lotu** | **Miejscowość** | | **Odległość [km]** | **Liczba Gołębi** | **Miejsce** | **Liczba Hodowców** | **Coef.** | | 1 | 12.05.21 | Kołczyn | | 123,12 | 2500 | 1 | 88 | 0,20 | | 2 | 19.05.21 | Mieszkowice | | 166,66 | 2200 | 1 | 86 | 0,40 | | 3 | 25.05.21 | Burg 1 | | 333,33 | 1995 | 10 | 77 | 5,34 | | 4 | 15.06.21 | Burg 3 | | 333,33 | 1850 | 5 | 69 | 3,22 | | 5 | 27.06.21 | Burg 3 | | 333,33 | 1555 | 2 | 60 | 1,20 | | 6 | 10.05.22 | Mieszkowice 1 | | 166,66 | 2500 | 1 | 97 | 0,30 | | 7 | 17.05.22 | Mieszkowice 2 | | 166,66 | 2400 | 1 | 98 | 0,40 | | 8 | 25.05.22 | Perleberg 1 | | 350,30 | 1900 | 3 | 80 | 1,20 | | 9 | 10.06.22 | Perleberg 3 | | 350,30 | 1800 | 7 | 75 | 5,50 | | 10 | 16.06.22 | Perleberg 4 | | 350,30 | 1600 | 4 | 67 | 3,20 | | 11 |  |  | |  |  |  |  |  | |  |  | SUMA: | | 2673,99 |  |  |  | 20,96 | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **KARTA OCENY GOŁĘBIA** | | | | | **Nr klatki:** | |  | | | **Kategoria:** | **OLIMPIJSKA Sport E** | | | | | **Wystawca:** | **Jankowiak Mariusz** | | | | **Ocena sędziego** | | | | | **Okręg:** | Poznań | | | | **Przedmiot oceny** | | **Skala punktowa** | **Uzyskana punktacja** | | **Oddział:** | 0285 Poznań | | | | 1. | Ogólne wrażenie głowa, oko, kondycja | 8,00 - 9,00 |  | | **Nr obr. rodowej:** | **PL-0285-19-1234** | | **Płeć:** | **0** | 2. | Budowa kości mostek, miednica | 8,00 - 9,00 |  | | **Barwa:** | NIEBIESKA | | | | 3. | Forma i wytrzymałość pleców i kupra | 17,00 - 19,00 |  | | **Rodzaj wystawy:** | OKRĘGOWA | | | | 4. | Równowaga harmonia ciała, umięśnienie | 27,00 - 29,00 |  | | **Nagrody** | **standard:** |  | | | 5. | Skrzydło i ogon. Jakość upierzenia | 27,00 - 29.00 |  | | **sport:** |  | | | **Razem punktów:** | | 87,00 - 95,00 |  | |  | | |  |  | |  |  | | | Komitet Wystawowy | | |  | Data i pieczęć | |  | Podpis | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | **Lp.** | **Data lotu** | **Miejscowość** | | **Odległość [km]** | **Liczba Gołębi** | **Miejsce** | **Liczba Hodowców** | **Coef.** | | 1 | 20.06.21 | Drachten 1 okręg | | 710,00 | 3500 | 2 | 195 | 0,80 | | 2 | 10.07.21 | Drachten 2 | | 710,00 | 1000 | 1 | 50 | 0,40 | | 3 | 25.06.22 | Drachten 1 | | 710,00 | 890 | 1 | 45 | 0,50 | | 4 | 10.07.22 | Drachten 2 okręg | | 710,00 | 2550 | 3 | 186 | 1,75 | | 5 |  |  | |  |  |  |  |  | | 6 |  |  | |  |  |  |  |  | | 7 |  |  | |  |  |  |  |  | | 8 |  |  | |  |  |  |  |  | | 9 |  |  | |  |  |  |  |  | | 10 |  |  | |  |  |  |  |  | | 11 |  |  | |  |  |  |  |  | |  |  | SUMA: | | 2840,00 |  |  |  | 3,45 | |